हिन्दी विभाग

राजीव गाँधी विश्वविद्यालय, रोनो हिल्स, दोइमुख

ईटानगर

Department of Hindi

Rajiv Gandhi University, Rono Hills, Doimukh

Itanagar, Arunachal Pradesh

स्नातकोत्तर हिन्दी पाठ्यक्रम

M.A. Hindi Syllabus

(चयन आधारित क्रेडिट पद्धति)

(Choice Based Credit System)

शिक्षण सत्र 2015-2016 से प्रभावी

(पाठ्यक्रम विवरण)

(Course Structure)

	पत्र Paper	कोर कोर्स Core Course	डिपार्टमेन्टल इलेक्टिव कोर्स Departmental Elective Course	ओपन इलेक्टिव Open Elective	क्रेडिट Credit	अंक Marks
प्रथम सेमेस्टर 1st Semester	5	5	-		20 (4x5)	500 (100x5)
द्वितीय सेमेस्टर 2nd Semester	5	5			20 (4x5)	500 (100x5)
तृतीय सेमेस्टर 3rd Semester	5	2	2	1	20 (4x5)	500 (100x5)
चतुर्थ सेमेस्टर 4th Semester	5	2	3		20 (4x5)	500 (100x5)
कुल	20	14	5	1	80	2000

(चयन आधारित क्रेडिट पद्धति)

पत्र-विवरण

पत्र संकेत संख्या (Paper Code)	पत्र का नाम	क्रेडिट	अंक	कुल क्रेडिट
प्रथम सत्र				
HINC-401	हिन्दी साहित्य का इतिहास-1 (आदिकाल से रीतिकाल तक)	4	100	20 क्रेडिट
HINC-402	आदिकालीन साहित्य एवं निर्गुण भक्ति-काव्य	4	100	
HINC-403	भारतीय काव्य शास्त्र	4	100	
HINC-404	कहानी एवं अन्य गद्य विधाएँ	4	100	
HINC-405	भाषा विज्ञान, हिन्दी भाषा तथा देवनागरी लिपि	4	100	
द्वितीय सत्र				
HINC-411	हिन्दी साहित्य का इतिहास-2 (आधुनिक कालीन काव्य)	4	100	20 क्रेडिट
HINC-412	सगुण भक्ति काव्य एवं रीतिकाव्य	4	100	
HINC-413	पाश्चात्य काव्य शास्त्र	4	100	
HINC-414	आधुनिक काव्य	4	100	
HINC-415	हिन्दी नाटक एवं निबंध	4	100	
तृतीय सत्र				
HINC-501	हिन्दी साहित्य का इतिहास-3 (गद्य साहित्यएवं पत्रकारिता)	4	100	20 क्रेडिट
HINC-502	हिन्दी आलोचना और आलोचक	4	100	
HINE-503(क) HINE-503(ख) HINE-503(ग)	भारतीय साहित्य पर्यावरण शिक्षा एवं हिन्दी काव्य दृश्य-श्रव्य माध्यम लेखन	4	100	
HINE-504(क) HINE-504(ख)	निर्गुण-भक्ति काव्य लोक साहित्य	4	100	

HINE-504(ग)	**छायावाद**			
HINO-505(क) **HINO-505(ख)** **HINO--505(ग)**	**हिन्दी में रचनात्मक एवं प्रयोगात्मक कौशल** **कविता, कहानी तथा अन्य विधाएँ** **हिन्दी भाषा शिक्षण**	**4**	**100**	
चतुर्थ सत्र				**20 क्रेडिट**
HINC-511	**समकालीन हिन्दी काव्य**	**4**	**100**	
HINC-512	**हिन्दी उपन्यास और आत्मकथा**	**4**	**100**	
HINE- 513 (क)	**अरुणाचली लोक साहित्य**	**4**	**100**	
HINE-513(ख)	**तुलनात्मक भारतीय साहित्य**			
HINE-513(ग)	**हिन्दी पत्रकारिता**			
HINE-514(क)	**प्रयोजनमूलक हिन्दी**	**4**	**100**	
HINE-514(ख)	**अनुवादः सिद्धान्त एवं व्यवहार**			
HINE-514(ग)	**हिन्दी सिनेमा और साहित्य**			
HINE-515(क)	**लघु शोध प्रबन्ध, अनुवाद, साहित्यिक निबन्ध लेखन**	**4**	**100**	
HINE-515(ख)	**तुलसीदास**			
HINE-515(ग)	**जयशंकर प्रसाद**			

कुल क्रेडिटः 80

CC- 56 (14x4)
DET-20
OE-4
20x100= 2000

प्रत्येक सत्र (Semester) में 5 पत्र हैं। प्रत्येक पत्र के लिये 4-4 क्रेडिट तथा 100-100 अंक निर्धारित हैं। प्रथम एवं द्वितीय सत्र में अध्ययन के लिये निर्धारित सभी पत्र कोर पत्र हैं। तृतीय तथा चतुर्थ सत्र में प्रथम दो-दो पत्र कोर पत्र हैं तथा शेष वैकल्पिक हैं। वैकल्पिक पत्रों में प्रत्येक पत्र के लिये क, ख और ग के रूप में तीन-तीन विकल्प दिये गये हैं, जिनमें से एक-एक का चयन विद्यार्थी को करना है। पत्र संख्या HINO- 515 हिन्दी के साथ-साथ दूसरे विषयों के स्नात्तकोत्तर विद्यार्थियों के लिये भी उपलब्ध होगा। इस पत्र के लिये भी तीन विकल्प निर्धारित हैं, जिनमें से किसी एक का चयन विद्यार्थियों को करना है।

पत्र संकेत संख्या (Paper Code) में HINC में **HIN** का सम्बन्ध हिन्दी विषय से है तथा **C** का अर्थ Core Course है। इसी तरह HINE में **E** Elective Theory Paper का अर्थ संकेतक है तथा HINO में **O** अक्षर Open Elective का द्योतक है।

HINC-401

हिन्दी साहित्य का इतिहास–1
(आदिकाल से रीतिकाल तक)

इकाई 1 *साहित्य का इतिहास दर्शन और इतिहास लेखन की पद्धतियाँ; हिंदी साहित्य के इतिहास लेखन की परम्परा; हिंदी साहित्य का इतिहास : काल विभाजन, सीमा–निर्धारण और नामकरण*

व्याख्यान –12

इकाई 2 *आदिकालीन साहित्य की पृष्ठभूमि एवं परिस्थितियां; साहित्य की विविध धाराएं– रासो, नाथ, जैन, बौद्ध–सिद्ध साहित्य एवं लोक काव्य; आदिकालीन साहित्य की सामान्य प्रवृत्तियां; आदिकालीन साहित्य की भाषा।*

व्याख्यान –12

इकाई 3 *भक्तिकाल की पृष्ठभूमि एवं परिस्थितियां; भक्ति का अखिल भारतीय स्वरूप और भक्ति आन्दोलन, भक्ति साहित्य की विभिन्न धाराएं– संत काव्य, सूफी काव्य, कृष्ण काव्य; राम काव्य; परिचय, प्रवृत्तियां, प्रमुख रचनाएं और रचनाकारः भक्तिकालीन साहित्य और लोकजागरण, भक्तिकालीन कवियों की भाषा दृष्टि एवं काव्य भाषा।*

व्याख्यान –12

इकाई 4 *रीतिकालीन साहित्य की पृष्ठभूमि एवं परिस्थितियां; रीति की अवधारणा और रीति काव्य; रीतिकालीन साहित्य की विभिन्न धाराएं : सामान्य परिचय, रचनाएं, रचनाकार एवं प्रमुख प्रवृत्तियाँ; रीतिकालीन काव्य भाषा एवं अभिव्यंजना शिल्प।*

व्याख्यान –12

अंक विभाजन

पूर्णांक– 100
अभ्यन्तर – 20
बाह्य– 80

निर्देश

1. *प्रत्येक इकाई से दो–दो प्रश्न पूछे जायेंगे, जिनमें से एक–एक का उत्तर लिखना होगा।*

   15 **X***4* **=** *60*

2. *सभी इकाइयों से कुल आठ टिप्पणियां पूछी जाएगीं जिनमें से चार का उत्तर लिखना होगा।*

   5 **X***4* **=** *20*

सहायक ग्रंथ :

1. *हिन्दी साहित्य का इतिहास — आचार्य रामचन्द्र शुक्ल, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी।*
2. *हिन्दी साहित्य का भूमिका — हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।*
3. *हिन्दी साहित्य का आदिकाल — हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल, दिल्ली।*
4. *हिन्दी साहित्य का उद्‌भव और विकास — हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल, दिल्ली।*
5. *हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास — डॉ. बच्चन सिंह, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली।*
6. *हिन्दी साहित्य का अतीत : भाग 1, 2 — विनय प्रसाद मिश्र, वाणी वितान, ब्रहमनाल, वाराणसी।*
7. *हिन्दी साहित्य का इतिहास — सं. नगेन्द्र, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली।*
8. *हिन्दी साहित्य और संवेदना का विकास — डॉ.रामस्वरूप चतुर्वेदी, लोकभारती, इलाहाबाद।*
9. *हिन्दी साहित्यः बीसवीं शताब्दी — आ. नन्ददुलारे वाजपेयी, लोकभारती प्रकाश, इलाहाबाद।*
10. *हिन्दी साहित्य का इतिहास दर्शन — नलिन विलोचन शर्मा, बिहार राष्ट्रभाषा परिषद्, पटना।*
11. *हिन्दी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहास प्रथम एवं द्वितीय खण्ड — डॉ. गणपति चन्द्र गुप्त, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।*

HINC-402

आदिकालीन साहित्य एवं निर्गुण भक्ति काव्य

इकाई 1 ***क*** *सरहपाद*

पाठ्य पुस्तक– आदिकालीन काव्य। *सम्पा.– वासुदेव सिंह; विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।*

पाठांश– दोहा कोष से दोहा संख्या– 1,2,5,6,7,9,11,12,13 तथा 14।

ख *चंदवरदाई–* ***पृथ्वीराज रासो– शशिव्रता विवाह प्रस्ताव***

संपादक हजारी प्रसाद द्विवेदी, डॉ. नामवर सिंह

छंद सं. 1 से 18 तक

इकाई 2 क विद्यापति

पाठ्य पुस्तक– विद्यापति पदावली*; सम्पा.– डॉ. शिव प्रसाद सिंह*

पाठांश– पद संख्या1 से 8,10,16,18,26,51,53,54,56,57,58तथा 60

ख जायसी

पाठ्य पुस्तक– जायसी ग्रन्थावली*; सम्पा.– आ. रामचन्द्र शुक्ल*

पाठांश– ***नागमती वियोग खण्ड****; पद सं.– 4 सं 15 तक।*

इकाई 3 ***क कबीर***

पाठ्य पुस्तक– कबीर; *आ. हजारी प्रसाद द्विवेदी*

पाठांश– *पद सं.– 1,2,33,41,123,130,134,160,163,168,191,199,224,247 तथा 256।*

ख शंकरदेव

पाठ्य पुस्तक*– भूपेन्द्रराय चौधरी की पुस्तक* ***शंकरदेवः व्यक्तित्त्व एवं कृतित्व****।*

पाठांश– पुस्तक में संकलित पांचो बरगीत।

इकाई 4

क रैदास

पाठ्य पुस्तक– रैदास समग्र*; सम्पा.– डॉ. युगेश्वर।*

पाठांश– पद सं.– 15,18,22,29,30,38,64,79,115,120।

ख दादू

पाठ्य पुस्तक– संत काव्य*; सम्पा. आ. परशुराम चतुर्वेदी; किताब महल, इलाहाबाद।*

पाठांश– प्रारम्भ से पांच पद

अंक विभाजन
पूर्णांक– 100
अभ्यन्तर – 20
बाह्य– 80

निर्देश

1. *प्रत्येक इकाई से दो–दो व्याख्याएं पूछी जायेगी, जिनमें से एक–एक व्याख्या करनी होगी।*

8 X4 = 32

2. *प्रत्येक इकाई से दो–दो आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जायेंगे, जिनमें से एक–एक का उत्तर लिखना होगा।*

12 X4 = 48

सहायक ग्रंथ

1. *हिन्दी साहित्य का आदिकाल – डॉ. हजारी प्रसाद द्विवेदी, बिहार राष्ट्रभाषा परिषद्, पटना।*
2. *पृथ्वीराज रासो की भाषा – डॉ. नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।*
3. *कबीर – हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल, दिल्ली।*
4. *कबीर बीजक की भाषा – डॉ. शुकदेव सिंह, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।*
5. *जायसी – विजयदेव नारायण साही, हिन्दुस्तानी एकेडमी, इलाहाबाद*
6. *सूफीमत : साधना और साहित्य – डॉ. रामपूजन तिवारी, ज्ञानमंडल, काशी।*
7. *मध्यकालीन धर्म साधना – डॉ. हजारी प्रसाद द्विवेदी, साहित्य भवन, इलाहाबाद।*
8. *नाथ पंथ और संत साहित्य– डॉ. नगेन्द्रनाथ उपाध्याय, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय प्रकाशन।*
9. *संत साहित्य की समझ – डॉ. नन्द किशोर पाण्डेय, रचना प्रकाशन, जयपुर।*
10. *मध्यकालीन काव्य आन्दोलन – डॉ. सत्यप्रकाश मिश्र।*
11. *साहित्य विमर्श का विवेक – डॉ. सुशील कुमार शर्मा, मीनाक्षी प्रकाशन, दिल्ली।*
12. *मधुमालती में प्रेम–व्यंजना – डॉ. सुशील कुमार शर्मा, उपहार प्रकाशन, दिल्ली।*
13. *शंकरदेवः साहित्यकार और विचारक– प्रो. कृष्णनारायण प्रसाद मागध।*
14. *दादूपन्थः साहित्य और समाज दर्शन– डॉ. ओकेन लेगो; यश पब्लिकेशन, दिल्ली।*
15. *विद्यापतिः अनुशीलन और मूल्यांकन– डॉ. वीरेन्द्र श्रीवास्तव, बिहार ग्रन्थ अकादमी, पटना।*
16. *सामाजिक समरसता में मुसलमान हिन्दी कवियों का योगदान– डॉ लखनलाल खरे, रजनी प्रकाशन, दिल्ली।*

HINC-403

भारतीय काव्य शास्त्र

इकाई : 1 *भारतीय काव्यशास्त्र का संक्षिप्त इतिहास; काव्य लक्षण; काव्य हेतु, काव्य प्रयोजन काव्य के प्रकार; शब्द शक्तियां।*

व्याख्यान –12

इकाई : 2 ***रस सिद्धांत :***

रस का स्वरूप; रस निष्पत्ति; रस के अंग, साधारणीकरण, विभिन्न रसों का सोदाहरण परिचय।

व्याख्यान–12

इकाई : 3 ***विभिन्न काव्य सिद्धान्त :***

ध्वनि सिद्धान्त; रीति सिद्धान्त; वक्रोक्ति सिद्धान्त; औचित्य सिद्धान्त का परिचय।

व्याख्यान –12

इकाई : 4 ***अलेकार तथा छन्द विवेचन :***

अलंकार सिद्धान्त तथा निम्नलिखित अलंकारों का सोदाहरण परिचय–

अनुप्रास, यमक, श्लेष, उपमा, रूपक, अनन्वय, उत्प्रेक्षा, प्रतीप, निदर्शना, अप्रस्तुत प्रशंसा, काव्यलिंग, विभावना, अपह्नुति, रूपकातिशयोक्ति तथा विरोधाभास।

छन्द विवेचन :

छन्द की परिभाषा और तत्त्व; छन्दों का वर्गीकरण; काव्य में छन्दों का महत्त्व। अग्रांकित छन्दों के लक्षण और उदाहरण– वंशस्थ, वसन्ततिलका; मन्दाक्रान्ता; शार्दूलविक्रीडित; कवित्त, दोहा, चौपाई, हरिगीतिका, कुण्डलिया, छप्पय तथा मुक्त छन्द।

व्याख्यान –12

अंक विभाजन

पूर्णांक– 100
अभ्यन्तर – 20
बाह्य– 80

निर्देश

1 प्रत्येक इकाईं से दो–दो प्रश्न पूछे जायेंगे, जिनमें से एक–एक का उत्तर लिखना होगा।

15x4=60

2. सभी इकाइयों से 4 टिप्पणियों के उत्तर लिखने हैं। टिप्पणी के लिये विकल्प भी होंगे।

5x4=20

सहायक ग्रंथः

1. *हिस्टरी आफ संस्कृत पोयटिक्स* - *काणे पी.बी, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली।*
2. *साहित्य शास्त्र* - *देश पाण्डे, पापुलर बुक डिपो, पूना।*
3. *भारतीय काव्यशास्त्र* - *सत्यदेव चौधरी।*
4. *काव्यशास्त्र की भूमिका* - *डॉ. नगेन्द्र, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली।*
5. *भारतीय काव्यशास्त्र के नये क्षितिज* - *डॉ. राममूर्ति त्रिपाठी, राजकमल प्रका., दिल्ली।*
6. *रस सिद्धान्त* - *डॉ. नगेन्द्र*
7. *हिन्दी काव्य शास्त्र का इतिहास* - *भगीरथ मिश्र*
8. *काव्य शास्त्र* - *डॉ. भगीरथ मिश्र, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।*
9. *साहित्य शास्त्र और काव्य भाषा* - *डॉ. सियाराम तिवारी।*
10. *काव्य समीक्षा* - *डॉ. विक्रमादित्य राय।*
11. *लिटेरेरी क्रिटिसिज्म* - *राय एण्ड द्विवेदी, मोतीलाल बनारसी दास, दिल्ली।*
12. *नई समीक्षा के प्रतिमान* - *डॉ. निर्मला जैन*
13. *काव्य के तत्व* - *देवेन्द्रनाथ शर्मा, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।*
14. *साहित्य मीमांसा के आयाम* - *डॉ. श्याम शंकर सिंह, साहित्य सहकार, दिल्ली।*

HINC-404

कहानी एवं अन्य गद्य विधाएं

इकाई : 1 ***कहानी***

प्रेमचन्द– शतरंज के खिलाड़ी
यशपाल– करवा का व्रत
चतुरसेन शास्त्री– हल्दीघाटी
अमरकान्त– जिन्दगी और जोंक
निर्मल वर्मा– परिन्दे
शिवप्रसाद सिंह– नन्हों

इकाई : 2 ***कहानी***

कृष्णा सोवती– बादलों के घेरे
मन्नू भण्डारी–यही सच है
ज्ञानरंजन– पिता
काशीनाथ सिंह– अपना रास्ता लो बाबा
ममता कालिया– जांच अभी जारी है
ओमप्रकाश वाल्मीकि– सलाम

इकाई : 3 ***रेखाचित्र और संस्मरण***

क अतीत के चलचित्र– *महादेवी वर्मा।*
पाठ्य रचनाएं– रामा; भाभी।
ख माटी की मूरतें– *रामवृक्ष बेनीपुरी।*
पाठ्य रचनाएं– बलदेव सिंह; सरजू भैया।
ग संस्मरण और रेखाचित्र– *सम्पा. : उर्मिला मोदी; अनुराग प्रकाशन, वाराणसी।*
पाठ्य रचना– महाकवि जयशंकर प्रसाद– शिवपूजन सहाय।

इकाई : 4 ***जीवनी***

कलम का सिपाही– *अमृतराय।*

अंक विभाजन
पूर्णांक– 100
अभ्यन्तर – 20
बाह्य– 80

निर्देश :

1. *प्रत्येक इकाई से दो–दो व्याख्याएं पूछी जायेगी, जिनमें से एक–एक व्याख्या करनी होगी।*

8 **X***4* **=** *32*

2. *प्रत्येक इकाई से दो–दो आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जायेंगे, जिनमें से एक–एक का उत्तर लिखना होगा।*

12 **X***4* **=** *48*

सहायक ग्रंथः-

1. *हिन्दी कहानी का विकास - मधुरेश, लोकभारती, दिल्ली।*
2. *हिन्दी कहानी का इतिहास, भाग-I और भाग-II - गोपाल राय*
3. *हिन्दी कहानीः पहचान और परख - इन्द्रनाथ मदान*
4. *कहानीः नई कहानी - डॉ. नामवर सिंह, लोकभारती, इलाहाबाद।*
5. *नई कहानीः संदर्भ और प्रकृति - सं. देवीशंकर अवस्थी, राजकमल, दिल्ली।*
6. *समकालीन हिन्दी साहित्यः विविध परिदृश्य - रामस्वरूप चतुर्वेदी, राधाकृष्ण प्रका. दिल्ली।*
7. *हिन्दी जीवनी साहित्यः सिद्धान्त और अध्ययन - डॉ. भगवानशरण भारद्वाज, परिमल प्रकाशन, इलाहाबाद।*

-

HINC-405

भाषा विज्ञान, हिन्दी भाषा तथा देवनागरी लिपि

इकाईः *1. भाषा की परिभाषा एवं अभिलक्षण;*

भाषा के प्रकार, भाषा एवं बोली; भाषा-विज्ञान की शाखाएं- वर्णनात्मक, ऐतिहासिक और तुलनात्मक। भाषा-विज्ञान का ज्ञान की अन्य शाखाओं से सम्बन्ध।

व्याख्यान- 12

इकाईः 2 ध्वनि-विज्ञान और रूप-विज्ञान

हिन्दी ध्वनियों का वर्गीकरण- स्वर और व्यंजन; स्वरों का वर्गीकरण; व्यंजनों का वर्गीकरण; ध्वनि-परिवर्तन के कारण; ध्वनि-परिवर्तन की दिशाएं। रूप विज्ञान- रूपिम की अवधारणा; रूपिम के प्रकार; शब्द और पद में अन्तर; पद-सम्बन्धी रूप-परिवर्तन के कारण।

व्याख्यान- 12

इकाईः 3 वाक्य-विज्ञान और अर्थ विज्ञान;

वाक्य-विज्ञान की परिभाषा; वाक्य की आवश्यकताएं; वाक्य के अंग; वाक्यों के प्रकार; वाक्य रचना में परिवर्तन के कारण, अर्थ-विज्ञान- अर्थ की प्रतीति; शब्द और अर्थ का सम्बन्ध; अर्थबोध के साधन; अर्थ-परिवर्तन की दिशाएं; अर्थ परिवर्तन के कारण।

व्याख्यान- 12

इकाईः 4 हिन्दी भाषा

हिन्दी भाषा का विकास; हिन्दी की बोलियों का परिचय (पूर्वी एवं पश्चिमी हिन्दी के विशेष संदर्भ में); देवनागरी लिपि- सामान्य परिचय; विशेषताएं; सुधार के प्रयत्न तथा देवनागरी लिपि का मानकीकरण।

व्याख्यान- 12

अंक विभाजन

पूर्णांक-100

अभ्यन्तर-20

बाह्य-80

निर्देशः

1. *प्रत्येक इकाई से दो-दो प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें से एक-एक का उत्तर लिखना होगा।* *15X4= 60*

2. *प्रत्येक इकाई से एक-एक टिप्पणी भी पूछी जायेगी। टिप्पणी के लिये विकल्प भी रहेंगे।* *5x4= 20*

सहायक ग्रंथः

1. *भाषा विज्ञान की भूमिका* - *डॉ. देवेन्द्रनाथ शर्मा, अनुपम प्रकाशन, पटना।*
2. *भाषा विज्ञान* - *डॉ. भोलानाथ तिवारी, किताब महल, इलाहाबाद।*
3. *भाषा विज्ञान एवं भाषा शास्त्र* - *डॉ. कपिलदेव द्विवेदी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।*
4. *हिन्दी भाषा* - *डॉ. भोलानाथ तिवारी, किताब महल, इलाहाबाद।*
5. *हिन्दी भाषाः उद्भव एवं विकास* - *डॉ. हरदेव बाहरी।*
6. *हिन्दी भाषा का इतिहास* - *धीरेन्द्र वर्मा, हिन्दुस्तानी अकादमी, इलाहाबाद।*
7. *आधुनिक भाषा विज्ञान* - *डॉ. राजमणि शर्मा, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।*
8. *हिन्दी भाषा : स्वरूप और विकास* - *कैलाश चन्द्र भाटिया।*
9. *भाषा और समाज* - *रामविलास शर्मा*
10. *हिन्दी भाषा* - *हरदेव बाहरी, अभिव्यक्ति प्रकाशन, इलाहाबाद।*

HINC-411

हिन्दी साहित्य का इतिहास–2

(आधुनिककालीन काव्य)

इकाई 1 ***आधुनिक काल की पृष्ठभूमि :*** *सामाजिक, राजनीतिक, आर्थिक एवं सांस्कृतिक; आधुनिक काल का प्रारम्भ और नामकरण; उन्नीसवीं शताब्दी में स्वाधीनता संघर्ष एवं भारतीय नवजागरण, हिन्दी काव्य को भारतेन्दु युग का अवदान; भारतेन्दु मण्डल के कवि तथा अन्य कवि; काव्य भाषा का संघर्ष और भारतेन्दु युग; भारतेन्दु युगीन कविता की मूल चेतना और विशेषताएं।*

इकाई 2 ***द्विवेदी युग :*** *नये काव्य–परिवर्तन का स्वरूप; महावीर प्रसाद द्विवेदी और तत्कालीन हिंदी कविता; द्विवेदी युगीन कविताः प्रमुख प्रवृत्तियां, रचनाएं एवं रचनाकार।*

इकाई 3 ***छायावाद*** *: पृष्ठभूमि, नामकरण और सीमांकन; प्रमुख छायावादी कवि और उनका काव्य; छायावादकालीन अन्य प्रमुख कवि और उनका काव्य; नवजागरण और छायावाद; छायावादी काव्य–प्रवृत्तियां; छायावादकालीन काव्य–भाषा का स्वरूप।*

इकाई 4 ***उत्तर छायावादी काव्य और काव्यान्दोलन*** *: प्रगतिवाद; प्रयोगवाद; नई कविता; स्वातन्त्र्योत्तर कविता; नवगीत; समकालीन कविता व अन्य काव्य–परिवर्तन। दलित–चेतना, स्त्री–चेतना और जनजातीय चेतना की कविताएं।*

अंक विभाजन

पूर्णांक– 100

अभ्यन्तर – 20

बाह्य– 80

निर्देश :

1 प्रत्येक इकाईं से दो–दो प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें से एक–एक का उत्तर लिखना होगा 15x4=60

2. सभी इकाइयों से 4 टिप्पणियों का उत्तर लिखना है। टिप्पणी के विकल्प भी होंगे। 5x4=20

सहायक ग्रंथ-

1. *हिन्दी साहित्य का इतिहास - आचार्य रामचन्द्र शुक्ल*
2. *हिन्दी साहित्य का इतिहास - सं. नगेन्द्र, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली।*
3. *हिन्दी साहित्य और संवेदना का विकास - डॉ. रामस्वरूप चतुर्वेदी, लोकभारती, इलाहाबाद।*
4. *हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास - डॉ. बच्चन सिंह, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली।*
5. *साहित्यिक निबंध - सं. डॉ. त्रिभुवन सिंह, हिन्दी प्रचारक संस्थान, वाराणसी।*
6. *साहित्यिक निबंध - डॉ. गणपति चन्द्रगुप्त, लोकभारती, इलाहाबाद*
7. *वृहद साहित्यिक निबंध - डॉ. रामसागर त्रिपाठी, डॉ. शांतिस्वरूप गुप्त।*
8. *हिन्दी गद्यः विन्यास और विकास - डॉ. रामस्वरूप चतुर्वेदी, लोकभारती, इलाहाबाद।*
9. *उर्दू साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास - डॉ. एहतेशाम हुसैन, लोकभारती, इलाहाबाद।*
10. *समकालीन हिन्दी साहित्यः विविध परिदृश्य - डॉ. रामस्वरूप चतुर्वेदी, लोकभारती, इलाहाबाद।*
11. *दक्खिनी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास - डॉ. इकबाल अहमद, लोकभारती, इलाहाबाद।*
12. *हिन्दी, उर्दू और हिन्दुस्तानी - पद्म सिंह शर्मा, लोकभारती, इलाहाबाद।*
13. *उर्दू का आरम्भिक युग - शम्सुर्रहमान फारूकी, राजकमल प्रकाशन, इलाहाबाद।*
14. *हिंदी नवजागरण और जातीय गद्य परंपरा - कर्मेन्द्रु शिशिर, आधार प्रकाशन प्राइवेट लिमिटेड, पंचकूला।*
15. *भारतेन्दु हरिश्चन्द्र और हिन्दी नवजागरण की समस्याएँ - रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।*
16. *महावीर प्रसाद द्विवेदी और हिन्दी नवजागरण - रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।*

HINC-412

सगुण भक्ति काव्य एवं रीति काव्य

इकाई : 1 सूरदास

पाठ्य पुस्तकः ***भ्रमरगीत सार****; संपादक– आचार्य रामचन्द्र शुक्ल।*
पद संख्या– 9,23,25,34,62,64,65,82,85,87,95,97,115,120,130,138,172,278।

व्याख्यान–12

इकाई : 2 तुलसीदास

पाठ्य पुस्तक : ***रामचरितमानस****, गीता प्रेस, गोरखपुर।*
पाठ्यांश : अयोध्या काण्ड– चित्रकूट प्रसंग।
दोहा सं.– 292 से 307 तक।

व्याख्यान–12

इकाई : 3 मीराबाई :

पाठ्य पुस्तक : ***मीराबाई की पदावली****; सम्पा.– परशुराम चतुर्वेदी।*

पद सं.–1,10,17,18,20,22,23,35,36,41,46,116,118,146,158,175,199,200। व्याख्यान–12

इकाई 4 क घनानंद

पाठ्य पुस्तक : ***घनानन्द कवित्त****; संपा.– आचार्य विश्वनाथ प्रसाद मिश्र*
पद सं.– 1 से 15 तक।

ख बिहारी

पाठ्य पुस्तक : ***बिहारी रत्नाकर****; सम्पादकः जगन्नाथदास रत्नाकर।*
पाठ्य दोहे–

1,2,5,6,7,15,19,20,21,25,32,38,42,48,51,60,69,73,94,121,131,141,181,300 तथा 363।

व्याख्यान– 12

अंक विभाजन

पूर्णांक– 100
अभ्यन्तर – 20
बाह्य– 80

निर्देश :

1. *प्रत्येक इकाई से दो–दो व्याख्याएं पूछी जायेगी, जिनमें से एक–एक व्याख्या करनी होगी।*

8 **X** *4* **=** *32*

2. *प्रत्येक इकाई से दो–दो आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जायेंगे, जिनमें से एक–एक का उत्तर लिखना होगा।*

12 **X** *4* **=** *48*

सहायक ग्रंथः

1. *सूरदास* - *आचार्य रामचन्द्र शुक्ल, ना.प्र. सभा, काशी।*
2. *सूर साहित्य* - *आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।*
3. *अष्टछाप और वल्लभ सम्प्रदाय* - *डॉ. दीनदयाल गुप्त, हिन्दुस्तानी एकेडमी, प्रयाग।*
4. *सूर और उनका साहित्य* - *डॉ. हरवंश लाल शर्मा, भारत प्रकाशन मंदिर, अलीगढ़।*
5. *सूरदास* - *नंददुलारे वाजपेयी।*
6. *गोस्वामी तुलसीदास* - *आचार्य रामचन्द्र शुक्ल, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी।*
7. *तुलसी और उनका युग* - *डॉ. राजपति दीक्षित, ज्ञानमंडल, काशी।*
8. *तुलसी-साहित्य का आधुनिक सन्दर्भ* - *डॉ. हरीशकुमार शर्मा, साहित्य सहकार प्रकाशन, दिल्ली।*
9. *रामकथा का विकास* - *कामिल बुल्के, हिन्दी परिषद्, प्रयाग।*
10. *बिहारी की वाग्विभूति* -*विश्वनाथ प्रसाद मिश्र, वाणी वितान, वाराणसी।*
11. *बिहारी का नया मूल्यांकन* - *डॉ. बच्चन सिंह, लोकभारती, इलाहाबाद।*
12. *घनानन्द और स्वच्छन्द काव्यधारा* - *डॉ. मनोहर लाल गौड़, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी।*
13. *घनानन्द का काव्य* - *डॉ. रामदेव शुक्ल, लोकभारती, इलाहाबाद।*
14. *परमानंद दास का काव्य-शिल्प* - *डॉ. शशिवाला शर्मा, साहित्य सहकार, दिल्ली।*
15. *भक्ति आंदोलन और सूरदास का काव्य* - *मैनेजर पाण्डेय, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।*
16. *मीरा का काव्य* - *विश्वनाथ त्रिपाठी, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।*
17. *मीराबाई* - *डॉ. सी.एल. प्रभात।*
18. *रामचरितमानस में नारी* - *डॉ. सुशील कुमार शर्मा, साहित्य सहकार प्रकाशन, दिल्ली।*

HINC-413

पाश्चात्य काव्यशास्त्र

इकाई 1 *प्लेटो– अनुकरण सिद्धांत।*

अरस्तू– अनुकरण, विरेचन और त्रासदी।

लोंजइनस– उदात्त तत्व।

इकाई 2 *क्रोचे– अभिव्यंजनावाद।*

आई. ए. रिचर्डस– समप्रेषण सिद्धान्त; मूल्य सिद्धांत तथा काव्य भाषा।

टी. एस. इलियट– परम्परा और निर्वैयक्तिकता का सिद्धांत।

इकाई 3 *कॉलरिज– कल्पना सिद्धान्त।*

वर्ड्सवर्थ– काव्यभाषा।

मैथ्यू ऑर्नल्ड के साहित्य सिद्धान्त।

इकाई 4 नयी समीक्षा की प्रमुख मान्यताएं।

विविध साहित्यिक वाद :

आदर्शवाद; यथार्थवाद; प्रतीकवाद; मनोविश्लेषणवाद; बिम्बवाद; अस्तित्ववाद एवं उत्तर आधुनिकतावाद।

निर्देश :

1 प्रत्येक इकाईं से दो–दो प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें से एक–एक का उत्तर लिखना होगा

15x4=60

2. सभी इकाइयों से 4 टिप्पणियों का उत्तर लिखना है। टिप्पणी के विकल्प भी होंगे।

5x4=20

सहायक ग्रन्थ :

1. *पाश्चात्य समीक्षा के चार सूत्रधार —डॉ. उदयशंकर श्रीवास्तव, शिल्पायन, दिल्ली।*
2. *पाश्चात्य काव्य चिन्तन —डॉ. करुणाशंकर उपाध्याय, राधाकृष्ण, दिल्ली।*
3. *पाश्चात्य साहित्य चिन्तन —निर्मला जैन, राधाकृष्ण, दिल्लीं*
4. *भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र की रूपरेखा —रामचन्द्र तिवारी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।*
5. *भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र —गणपतिचन्द्र गुप्त, लोकभारती, इलाहाबाद।*
6. *पाश्चात्य काव्यशास्त्र : नयी प्रवृत्तियां —राजनाथ, राजकमल, दिल्ली।*

HINC-414

आधुनिक काव्य– 1

इकाई :1

क अयोध्यासिंह उपाध्याय हरिऔध– प्रिय प्रवास *का महाकाव्यत्व; **प्रिय प्रवास** की राधा।*

*पाठांश– **प्रिय प्रवास; षष्ठ सर्ग; छन्द सं.–26 से 83।***

ख मैथिलीशरण गुप्त– साकेत *के नवम् सर्ग के सन्दर्भ में गुप्तजी की काव्यगत विशेषताएं; उर्मिला का विरह–वर्णन ।*

*पाठांश– **साकेत** के नवम् सर्ग से चयनित अंश।*

इकाई : 2

क जयशंकर प्रसाद– *छायावादी काव्य मूल्य और जयशंकर प्रसाद; प्रसाद के काव्य में राष्ट्रीय एवं सांस्कृतिक चेतना; **कामायनी** की प्रतीक–योजना ।*

पाठांश– 'कामायनी' *का श्रद्धा सर्ग*

ख सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला'– *निराला का काव्य–वैशिष्ट्य; **राम की शक्ति–पूजा*** *का प्रतिपाद्य; निराला के काव्य में ओज और विद्रोह।*

पाठांश– राम की शक्ति पूजा

इकाई : 3

क सुमित्रानंदन पंत *– पन्त का प्रकृति–चित्रण; पन्त–काव्य और छायावाद।*

पाठ्य कविता– *पर्वत प्रदेश में पावस।*

ख महादेवी वर्मा– *महादेवी का काव्य और वेदना; महादेवी वर्मा की काव्यगत विशेषताएं।*

पाठ्य कविताएं – *मैं नीर भरी दुख की बदली; जाग तुझको दूर जाना।*

इकाई : 4

क हरिवंशराय वच्चन– *हरिवंशराय वच्चन की काव्यगत विशेषताएं; **मधुशाला*** *का प्रतिपाद्य।*

*पाठ्य रचना– **मधुशाला।***

*पाठ्यांश– **मधुशाला**; छन्द सं.– 1,2,3,4,5,6,14,15,17,34,44,45,50,57,66,70,73,89,99,123।*

ख रामधारी सिंह दिनकर– *दिनकर के काव्य में राष्ट्रीयता; **कुरुक्षेत्र*** *का प्रतिपाद्य।*

*पाठ्यांश– **कुरुक्षेत्र** से चयनित अंश।*

निर्देश :

1. *प्रत्येक इकाई से दो–दो व्याख्याएं पूछी जायेगी, जिनमें से एक–एक व्याख्या करनी होगी।*

   8 **X***4* **=** *32*

2. *प्रत्येक इकाई से दो–दो आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जायेंगे, जिनमें से एक–एक का उत्तर लिखना होगा।*

   12 **X***4* **=** *48*

सहायक ग्रन्थः

1. *साकेतः एक अध्ययन* - *डॉ. नगेन्द्र, राजकमल प्रकाशन, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली*
2. *साकेत के नवम सर्ग का काव्य वैभव* - *कन्हैयालाल सहल, हिन्दी बुक सेन्टर, दिल्ली।*
3. *जयशंकर प्रसाद* - *नन्द दुलारे वाजपेयी।*
4. *प्रसाद और उनका साहित्य* - *विनोद शंकर व्यास*
5. *जयशंकर प्रसाद : वस्तु और कला* - *डॉ. रामेश्वर खण्डेलवाल*
6. *प्रसाद का काव्य* - *डॉ. प्रेमशंकर, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।*
7. *निराला की साहित्य साधना, भाग1,2,3* - *डॉ. रामविलास शर्मा*
8. *निराला एक आत्महन्ता आस्था* - *दूधनाथ सिंह, लोक भारती, इलाहाबाद।*
9. *छायावाद* - *डॉ. नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।*
10. *क्रांतिकारी कवि निराला* - *डॉ. बच्चन सिंह*
11. *कामायनी अनुशीलन* - *रामलाल सिंह, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।*
12. *राम की शक्तिपूजा* - *डॉ. नगेन्द्र, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली।*
13. *महादेवी का काव्य सौष्ठव* - *कुमार विमल, अनुपम प्रकाशन, पटना।*
14. *महादेवी* - *दूधनाथ सिंह, राजकमल, इलाहाबाद।*
15. *कवि सुमित्रानंदन पंत* - *नंद दुलारे वाजपेयी, प्रकाशन संस्थान, दिल्ली।*
16. *सुमित्रानंदन पंतः कवि और काव्य* - *शारदालाल प्रकाशन, दिल्ली।*
17. *महादेवी* - *इन्द्रनाथ मदान, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली।*
18. *हरिऔध के महाकाव्यों की नारी पात्र* - *रेणु श्रीवास्तव, अमन प्रकाशन, कानपुर।*
19. *दिनकर का कुरुक्षेत्र और मानवतावाद* - *डॉ. मोहसिन खान*

HINC-415

हिन्दी नाटक एवं निबंध

इकाई : 1 ***नाटक***

आधे–अधूरे *: मोहन राकेश*

व्याख्यान –12

इकाई : 2 ***एकांकी***

पाठ्य एकांकी :

नये मेहमान– *उदयशंकर भट्ट*

स्ट्राइक– *भुवनेश्वर*

रीढ़ की हड्डी– *जगदीशचन्द्र माथुर*

व्याख्यान –12

इकाई : 3 ***निबन्ध –***

पाठ्य निबंध :

एक दुराशा– *बालमुकुन्द गुप्त*

कविता क्या है– *रामचन्द्र शुक्ल*

भारत की सांस्कृतिक एकता– *रामधारी सिंह दिनकर*

व्याख्यान –12

इकाई : 4

कुटज– *हजारी प्रसाद द्विवेदी*

अयोध्या उदास लगती है– *विद्यानिवास मिश्र*

पगडण्डियों का जमाना– *हरिशंकर परिसाई*

व्याख्यान –12

अंक विभाजन

पूर्णांक– 100

अभ्यन्तर – 20

बाह्य– 80

निर्देश :

1. *प्रत्येक इकाई से दो–दो व्याख्याएं पूछी जायेगी, जिनमें से एक–एक व्याख्या करनी होगी।*

8 **X***4* **=** *32*

2. *प्रत्येक इकाई से दो–दो आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जायेंगे, जिनमें से एक–एक का उत्तर लिखना होगा।*

12 **X***4* **=** *48*

सहायक ग्रंथ :

1. हिन्दी नाटक : उद्‌भव और विकास – डॉ. दशरथ ओझा, राजपाल एण्ड सन्स, दिल्ली।

2. रंग दर्शन – नेमिचन्द्र जैन

3. रामचन्द्र शुक्ल और हिन्दी आलोचना – हज़ारीप्रसाद द्विवेदी राजकमल, दिल्ली।

4. रामचन्द्र शुक्ल – मलयज, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली

5. हिन्दी नाटक – बच्चन सिंह, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।

6. हिन्दी का गद्य साहित्य –रामचन्द्र तिवारी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।

7 हिन्दी : विन्यास और विकास –रामस्वरूप चतुर्वेदी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।

8. मोहन राकेश और उनके नाटक – गिरीश रस्तोगी, लोक भारती।

9. हिन्दी ललित निबन्ध : स्वरूप विवेचन –वेदवती राठी, लोक भारती।

10. आधुनिक हिन्दी गद्य साहित्य का विकास और विश्लेषण –विजयमोहन सिंह, ज्ञानपीठ।

11. हिन्दी का गद्य पर्व –नामवर सिंह, राजकमल।

12. हजारीप्रसाद द्विवेदी : समग्र पुनरावलोकन –चौकीराम मिश्र, लोकभारती।

HINC-501

हिन्दी साहित्य का इतिहास–3

(गद्य साहित्य एवं पत्रकारिता)

इकाई : 1

हिन्दी गद्य का प्राचीन स्वरूप और परम्परा; आधुनिककालीन परिस्थितियों का हिन्दी गद्य के विकास में योगदान; भारतेन्दु पूर्व हिन्दी गद्य और गद्यकार; भारतेन्दुयुगीन हिन्दी गद्य एवं गद्यकार; आधुनिककालीन हिन्दी गद्य के प्रारम्भिक उन्नयन में विभिन्न व्यक्तियों एवं संस्थाओं की भूमिका; भारतेन्दु हरिश्चन्द्र का हिन्दी गद्य को अवदान; हिन्दी गद्य के विकास में आ. महावीरप्रसाद द्विवेदी की भूमिका।

इकाई : 2

हिन्दी गद्य की प्रमुख विधाओं– नाटक; निबन्ध; उपन्यास; कहानी; एकांकी; आलोचना; संस्मरण; जीवनी; आत्मकथा; साक्षात्कार; रिपोर्ताज; यात्रा–साहित्य तथा पत्र साहित्य का उद्‌भव और विकास।

इकाई : 3

दक्खिनी हिंदी साहित्य के इतिहास का सामान्य परिचय; उर्दू साहित्य के इतिहास का संक्षिप्त परिचय; हिंदी–उर्दू साहित्य का पारस्परिक सम्बन्ध; हिन्दी एवं अन्य भारतीय भाषाओं के साहित्य का सह–सम्बन्ध; हिन्दी का प्रवासी साहित्य।

इकाई : 4

भारत में प्रेस का उदय और हिन्दी पत्रकारिता का आरम्भ; हिन्दी पत्रकारिता का संक्षिप्त इतिहास; भारतेन्दुकालीन हिन्दी पत्र–पत्रिकाएं और उनके सम्पादक; द्विवेदीयुगीन हिन्दी पत्रकारिता और सरस्वती पत्रिका; स्वातन्त्र्य–पूर्व हिन्दी पत्रकारिता; भारत के स्वाधीनता आन्दोलन में हिन्दी पत्रकारिता की भूमिका; स्वातन्त्र्योत्तर हिन्दी पत्रकारिता; हिन्दी गद्य के विकास में हिन्दी पत्रकारिता का योगदान; समकालीन विमर्श और हिन्दी पत्रकारिता।

अंक विभाजन

पूर्णांक– 100

अभ्यन्तर – 20

बाह्य– 80

निर्देश :

1. *प्रत्येक इकाई से दो–दो प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें से एक–एक का उत्तर लिखना होगा।* 15x4=60
2. *सभी इकाइयों से 4 टिप्पणियों का उत्तर लिखना होगा। टिप्पणी के लिये विकल्प भी होंगे।* 5x4=20

सहायक ग्रंथ-

1. *हिन्दी साहित्य का इतिहास - आचार्य रामचन्द्र शुक्ल*
2. *हिन्दी साहित्य का इतिहास - सं. नगेन्द्र, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली।*
3. *हिन्दी साहित्य और संवेदना का विकास - डॉ. रामस्वरूप चतुर्वेदी, लोकभारती, इलाहाबाद।*
4. *हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास - डॉ. बच्चन सिंह, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली।*
5. *साहित्यिक निबंध - सं. डॉ. त्रिभुवन सिंह, हिन्दी प्रचारक संस्थान, वाराणसी।*
6. *साहित्यिक निबंध - डॉ. गणपति चन्द्रगुप्त, लोकभारती, इलाहाबाद*
7. *वृहद साहित्यिक निबंध - डॉ. रामसागर त्रिपाठी, डॉ. शांतिस्वरूप गुप्त।*
8. *हिन्दी गद्यः विन्यास और विकास - डॉ. रामस्वरूप चतुर्वेदी, लोकभारती, इलाहाबाद।*
9. *उर्दू साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास - डॉ. एहतेशाम हुसैन, लोकभारती, इलाहाबाद।*
10. *समकालीन हिन्दी साहित्यः विविध परिदृश्य - डॉ. रामस्वरूप चतुर्वेदी, लोकभारती, इलाहाबाद।*
11. *दक्खिनी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास - डॉ. इकबाल अहमद, लोकभारती, इलाहाबाद।*
12. *हिन्दी, उर्दू और हिन्दुस्तानी - पद्म सिंह शर्मा, लोकभारती, इलाहाबाद।*
13. *उर्दू का आरम्भिक युग - शम्सुर्रहमान फारूकी, राजकमल प्रकाशन, इलाहाबाद।*
14. *हिंदी नवजागरण और जातीय गद्य परंपरा - कर्मेन्द्रु शिशिर, आधार प्रकाशन प्राइवेट लिमिटेड, पंचकूला।*
15. *भारतेन्दु हरिश्चन्द्र और हिन्दी नवजागरण की समस्याएँ - रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।*
16. *महावीर प्रसाद द्विवेदी और हिन्दी नवजागरण - रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।*

HINC- 502
हिन्दी आलोचना एवं आलोचक

इकाई 1 *हिन्दी आलोचना का विकास एवं मुख्य आलोचना दृष्टियाँ :*

हिन्दी आलोचना का आरंभिक स्वरूप, हिन्दी आलोचना का विकास, हिन्दी आलोचना की प्रमुख दृष्टियाँ- शास्त्रीय, ऐतिहासिक, मार्क्सवादी, समाजशास्त्रीय, मनोविश्लेषणवादी, रूपवादी, दलित विमर्श, स्त्री-विमर्श।

व्याख्यान-12

इकाईः 2 हिन्दी के प्रमुख आलोचक

1. *रामचन्द्र शुक्ल*
2. *हजारी प्रसाद द्विवेदी*

व्याख्यान-12

इकाईः 3 हिन्दी के प्रमुख आलोचक

1. *रामविलास शर्मा*
2. *नामवर सिंह*

व्याख्यान-12

इकाईः 4 रचनाकार आलोचक

1. *सच्चिदानन्द हीरानन्द वात्सायन 'अज्ञेय'*
2. *गजानन माधव 'मुक्तिबोध'*

व्याखायान-12

निर्देशः

1. *प्रत्येक इकाई से दो-दो आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें से एक-एक का उत्तर लिखना होगा।*

15X4= 60 अंक

2. *पाँचवें प्रश्न के रुप में कुल आठ टिप्पणियां पूछी जायेंगी। इनमें से चार का उत्तर लिखना होगा।*

5X4=20 अंक

सहायक ग्रंथः

1. कविता के नए प्रतिमान - डॉ. नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
2. आलोचक और आलोचना - बच्चन सिंह, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली।
3. हिन्दी आलोचना का विकास - नंदकिशोर नवल, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
4. हिन्दी आलोचनाः शिखरों का साक्षात्कार - डॉ. रामचन्द्र तिवारी, लोकभारती प्रका., इलाहाबाद।
5. आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी का साहित्य - डॉ. चौथीराम यादव, हरियाणा ग्रंथ अकादमी।
6. तीसरा रुख - पुरुषोत्तम अग्रवाल, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली।
7. नई कविता और अस्तित्ववाद - रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
8. दलित साहित्य का सौन्दर्यशास्त्र - ओमप्रकाश वाल्मीकि, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली।
9. दलित विमर्श की भूमिका - कंवल भारती, इतिहासबोध प्रका., इलाहाबाद।
10. स्त्री उपेक्षिता - सीमोन द बोउवार, अनु.- प्रभा खेतान, हिन्द पाकेट बुक्स; दिल्ली।
11. हिन्दी आलोचना - विश्वनाथ त्रिपाठी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
12. इतिहास और आलोचना - नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
13. दूसरी परंपरा की खोज - नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
14. हिन्दी आलोचना का विकास - मधुरेश, लोकभारती प्रका. दिल्ली।
15. रामचन्द्र शुक्ल और हिन्दी आलोचना - रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
16. हिंदी के प्रहरी - रामविलास शर्मा, सं. विश्वनाथ त्रिपाठी, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।
17. आलोचना की सामाजिकता - मैनेजर पाण्डेय, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।
18. शिवदान सिंह चौहान का आलोचना-कर्म - अमरेन्द्र त्रिपाठी, अनामिका प्रकाशन, दिल्ली।
19. आलोचना और आलोचना - देवी शंकर अवस्थी, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।

HINE-503 *(क)*

भारतीय साहित्य

इकाई : 1 *सांस्कृतिक इकाई के रूप में भारत; भारतीय साहित्य की अवधारणा; भारतीय साहित्य का स्वरूप, बहुभाषिकता और भारतीय साहित्य; बहुसांस्कृतिकता और भारतीय साहित्य।*

व्याख्यान 12

इकाई– 2 ***उपन्यास :***

पाठ्य पुस्तक– ***शव काटने वाला आदमी****; लेखक– येशे दोरजी थोंङ्ची; अनुवादक– दिनकर कुमार; वाणी प्रकाशन, दिल्ली।*

व्याख्यान 12

इकाई 3 ***नाटक :***

पाठ्य पुस्तक– ***घासीराम कोतवाल;*** *लेखक– विजय तेंदुलकर। व्याख्यान 12*

इकाई 4 ***कविता :***

पाठ्य पुस्तक– ***आधुनिक भारतीय कविता;*** *सम्पा.– अवधेश नारायण सिंह, नन्दकिशोर पाण्डेय*

तमिल, तेलुगू, कन्नड़, मलयालम, उड़िया, बांग्ला, मणिपुरी, उर्दू, पंजाबी तथा गुजराती भाषाओं के किसी एक–एक प्रमुख कवि का सामान्य परिचय एवं कविता का पाठ।

व्याख्यान 12

अंक विभाजन

पूर्णांक– 100

आभ्यन्तर– 20

बाह्य– 80

निर्देश :

1 *प्रत्येक इकाई से दो–दो आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमे से एक–एक का उत्तर लिखना होगा*

14x4=56 *अंक*

2 *इकाई 2, 3 तथा 4 से दो–दो व्याख्याएं पूछी जायेंगी, जिनमें से एक–एक व्याख्या करनी होगी।*

8x3=*24 अंक*

सहायक ग्रन्थ :

1. *भारतीय साहित्य : स्थापनाएं और प्रस्थापनाएं* —*के. सच्चिदानन्द, राजकमल, दिल्ली।*
2. *भारतीय साहित्य के इतिहास की समस्याएं* —*रामविलास शर्मा, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।*
3. *भारतीय साहित्य* — *डॉ. नगेन्द्र, प्रभात प्रकाशन दिल्ली।*
4. *भारतीय साहित्य* —*सम्पादक : डॉ. मूलचन्द गौतम, राधाकृष्ण, दिल्ली।*
5. *भारतीयता की पहचान* —*केशवचन्द्र वर्मा, लोकभारती, दिल्ली।*
6. *भारतीय और विश्व कविता* —*क. र. श्रीनिवास अयंगार।*
7. *भारतीय साहित्य : आशा और आस्था* —*डॉ. आरसु, राजकमल, दिल्ली।*
8. *भारतीय साहित्य की भूमिका* —*रामविलास शर्मा, राजकमल।*

HINE-503 *(ख)*

पर्यावरण शिक्षा एवं हिन्दी काव्य

इकाई : 1 *पर्यावरणः अवधारणा, परिभाषा, क्षेत्र, आवश्यकता एवं उपयोगिता।*

इकाई : 2 *मृदा और जल, नदी, तालाब, सागर आदि से सम्बन्धित प्रदूषण के कारण, समस्याएं और निदान।*
वृक्ष एवं वन संबंधी प्रदूषण, ग्रामीण एवं वन्य पादप, वन्य जीव–जन्तु।

इकाई : 3 *प्राचीन भारतीय साहित्य में पर्यावरण संबंधी विचार– वैदिक साहित्य, पौराणिक साहित्य, रामायण, भक्ति साहित्य, भारतीय लोक संस्कृति और पर्यावरण।*

इकाई : 4 ***पर्यावरण परक काव्य :***

क. ***रामचरितमानस****– गोस्वामी तुलसीदास; गीताप्रेस, गोरखपुर*

पाठ्य अंश : ***किष्किन्धा काण्ड****– दोहा संख्या 14 से 17 तक।*

ख. ***प्रतिनिधि कविताएं****– अरुण कमल; राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।*

पाठ्य कविता– ***गंगा से प्यार।***

अंक विभाजन
पूर्णांक– 100
आभ्यन्तर– 20
बाह्य– 80

निर्देशः

1 *प्रत्येक इकाई से दो–दो आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जायेंगे, जिनमे से एक–एक का उत्तर लिखना होगा।*
17x4=68 *अंक*

2 *इकाई 4 से दो व्याख्याएं पूछी जायेंगी, जिनमें से एक व्याख्या करनी होगी।*
12 अंक

सहायक ग्रंथः

1. *पर्यावरण शिक्षा* - *हरिश्चन्द्र व्यास, प्रभात प्रकाशन, दिल्ली।*
2. *आधुनिक जीवन और पर्यावरण* - *दामोदर शर्मा, प्रभात प्रकाशन, दिल्ली।*
3. *मानव और पर्यावरण* - *हरिश्चन्द्र व्यास, प्रभात प्रकाशन, दिल्ली।*
4. *सागर प्रदूषण* - *श्याम सुंदर शर्मा, प्रभात प्रकाशन, दिल्ली।*
5. *प्रकृति, संस्कृति और पर्यावरण* - *डॉ. गोविंद चातक, तक्षशिला प्रकाशन।*
6. *वायु प्रदूषण* - *शिव गोपाल मिश्र, प्रभात प्रकाशन, दिल्ली।*
7. *लोकवादी तुलसीदास* - *डॉ. विश्वनाथ त्रिपाठी, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली।*

HINE-503 *(ग)*

दृश्य–श्रव्य माध्यम लेखन

इकाई – 1 *माध्यमोपयोगी लेखन का स्वरूप और प्रमुख प्रकार, हिन्दी माध्यम लेखन का संक्षिप्त इतिहास, संचार माध्यमों की भाषा, हिन्दी के समक्ष आधुनिक जनसंचार और सूचना प्रौद्योगिकी की चुनौतियां।*

इकाई : 2

रेडियो नाटक की प्रविधिः रंग नाटक, पाठ्य नाटक और रेडियो नाटक का अंतर।

इकाई : 3 *रेडियो नाटक के प्रमुख भेद– रेडियो धारावाहिक, रेडियो रूपान्तर, रेडियो फैन्टेसी, संगीत रूपक, आलेख–रूपक, डाक्यूमेन्टरी फीचर।*

इकाई : 4 *टी. वी. नाटक की तकनीक, टेलीड्रामा, टेलीफिल्म, इलक्ट्रॉनिक मीडिया द्वारा प्रसारित समाचारों के संकलन, संपादन और प्रस्तुतीकरण की प्रविधि।*

अंक विभाजन
पूर्णांक– 100
आभ्यन्तर– 20
बाह्य– 80

निर्देश :

1. *प्रत्येक इकाई से दो–दो प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें से एक–एक का उत्तर लिखना होगा।* 15x4=60
2. *सभी इकाइयों से 4 टिप्पणियों का उत्तर लिखना होगा। टिप्पणी के लिये विकल्प भी होंगे।* 5x4=20

सहायक ग्रंथ: -

1. *सम्पादन के सिद्धांत - रामचन्द्र तिवारी, आलेख प्रकाशन, दिल्ली।*
2. *टेलीविजनः सिद्धान्त और टेकनीक - मथुरादत्त शर्मा*
3. *रेडियो लेखन - मधुकर गंगाधर*
4. *प्रेस विधि - नन्द किशोर त्रिखा, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।*
5. *रेडियो नाटक - सिद्धनाथ कुमार*
6. *टेलीविजन - के. के. बाली*
7. *मीडिया लेखन और सम्पादन - शैलेन्द्र सेंगर; आविष्कार प्रकाशन, दिल्ली*
8. *संचार माध्यमः तकनीक और लेखन - डॉ. विजय कुलश्रेष्ठ, श्याम प्रकाशन जयपुर।*

HINE-504 *(क)*

निर्गुण भक्ति–काव्य

पाठ्य पुस्तक : संत काव्य– संपादक आचार्य परशुराम चतुर्वेदी ,
किताब महल, इलाहाबाद

इकाई : 1

कबीर– प्रारंभ से 25 पद।

इकाई : 2 *रैदास– प्रारंभ से 14 पद।*

इकाई : 3 *दादूदयाल– प्रारंभ के 7 पद एवं 30 साखी।*

इकाई : 4 *रज्जब– प्रारंभ से 5 पद एवं 30 साखी।*

अंक विभाजन
पूर्णांक– 100
आभ्यन्तर– 20
बाह्य– 80

निर्देश :

1 *प्रत्येक इकाई से दो–दो आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमे से एक–एक का उत्तर लिखना होगा*
12x4=48 *अंक*

2 *प्रत्येक इकाई से दो–दो व्याख्याएं पूछी जायेंगी, जिनमें से एक–एक व्याख्या करनी होगी।*
8x4=*32 अंक*

सहायक ग्रंथः

1. *नाथ सम्प्रदाय* - *आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी, नैवेद्य निकेतन, वाराणसी।*
2. *हिन्दी साहित्य में निर्गुण सम्प्रदाय* - *डॉ. पीताम्बर दत्त बड़थ्वाल।*
3. *उत्तर भारत की संत परंपरा* - *परशुराम चतुर्वेदी, किताब महल, प्रयाग।*
4. *मध्ययुगीन निर्गुण चेतना* - *डॉ. धर्मपाल मैनी, लोकभारती, इलाहाबाद।*
5. *संतों के धार्मिक विश्वास* - *डॉ. धर्मपाल मैनी, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली।*
6. *रैदास वाणी* - *डॉ. शुकदेव सिंह, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली।*
7. *कबीर* - *हजारीप्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन।*
8. *दादू पंथः साहित्य और समाज दर्शन* - *डॉ. ओकेन लेगो, यश पब्लिकेशन, दिल्ली।*
9. *दादू दयाल* - *परशुराम चतुर्वेदी*
10. *संत साहित्य की समझ* - *नन्द किशोर पाण्डेय, रचना प्रकाशन, जयपुर।*
11. *सन्त रज्जब* - *नन्द किशोर पाण्डेय, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।*

हिन्दी 504 (ख)
लोक साहित्य (विशेष अध्ययन)

इकाई 1

लोक की अवधारणा; लोक साहित्यः अर्थ एवं स्वरूप; लोक-साहित्य और लोक संस्कृति; लोक-साहित्य की अध्ययन-पद्धतियाँ, लोक-साहित्य के संग्रह की आवश्यकता, लोक-साहित्य के अध्ययन की चुनौतियाँ। व्याख्यान- 12

इकाई 2 *लोक-साहित्य के प्रकारः लोक गीत, लोक कथा, लोक गाथा, लोक नाट्य और लोक सुभाषित का परिचयात्मक अध्ययन। व्याख्यान- 12*

इकाई 3 *पूर्वोत्तर (असम, अरुणाचल, त्रिपुरा, नागालैण्ड, मणिपुर, मिजोरम, मेघालय तथा सिक्किम) का लोक-साहित्यः सामान्य परिचय, वर्गीकरण एवं विशेषताएं। व्याख्यान- 12*

इकाई 4 *पूर्वोत्तर के लोक- साहित्य और हिन्दी लोक-साहित्य का तुलनात्मक अध्ययनः लोक-गीत, लोकगाथा और लोकोक्तियों के विशेष सन्दर्भ में। व्याख्यान- 12*

अंक विभाजन
पूर्णांकः-100
अभ्यन्तरः- 20
बाह्यः- 80

निर्देशः

1. *प्रत्येक इकाई से दो-दो आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें से एक-एक का उत्तर लिखना होगा। 15x4= 60*
2. *प्रत्येक इकाई से एक-एक टिप्पणी पूछी जायेगी। टिप्पणी हेतु विकल्प भी रहेंगे। 5x4= 20*

सहायक ग्रंथः-

1. *लोक साहित्य विज्ञान - सं. सत्येन्द्र, वाणी प्रकाशन, दिल्ली*
2. *लोक साहित्य की भूमिका - डॉ. कृष्णदेव उपाध्याय, हिन्दी प्रचारक संस्थान, वाराणसी।*
3. *लोक साहित्य विमर्श - डॉ. श्याम परमार, राजकमल प्रकाशन, वाराणसी*
4. *लोक साहित्य और संस्कृति - डॉ. दिनेश्वर प्रसाद, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।*
5. *हिन्दी साहित्य का वृहद इतिहास 16 वां भाग - नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी।*
6. *अरुणाचल के त्योहार - डॉ. धर्मराज सिंह*
7. *अरुणाचल की आदी जनजाति का समाजभाषिक अध्ययन-डॉ. धर्मराज सिंह*
8. *मनोरम भूमि अरुणाचल - माता प्रसाद*
9. *अरुणप्रभा पत्रिका - अरुणाचल विश्वविद्यालय के हिन्दी विभाग की शोध प्रवेशांक-2001 तथा संयुक्तांक 2002-2003 (अरुणाचल- विशेषांक)।*
10. *कस्टमरी लॉज ऑफ न्यीशी ट्राइबल ऑफ अरुणाचल प्रदेश - नाबम नाका हिना, आटर्स प्रेस, दिल्ली।*
11. *आदी लोक कथाएं - डॉ. ओकेन लेगो, यश पब्लिकेशन, दिल्ली।*
12. *न्यीशी लोक गीतः सांस्कृतिक - डॉ. जोरम आन्या जाना, गौतम बुक सेंटर, दिल्ली।*
13. *न्यीशी जनजाति का समाज भाषिक अध्ययन -डॉ. जोरम यालम, विजय भारती प्रकाशन, असम।*
14. *भाषा, संस्कृति और साहित्य - डॉ. हरीशकुमार शर्मा, अनंग प्रकाशन, दिल्ली।*
15. *फणीश्वरनाथ रेणु के उपन्यासों में लोक-संस्कृति - डॉ. हरीशकुमार शर्मा, जास्मिन पब्लिकेशन, दिल्ली।*

HINE-504 *(ग)*

छायावाद

इकाई– 1 *जयशंकर प्रसाद*

पाठ्य रचना– ***आंसू।***

व्याख्यान 12

इकाई 3 *सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला'*

पाठ्य कविता– ***तुलसीदास****; राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।*

व्याख्यान 12

इकाई– 2 *सुमित्रानंदन पंत*

पाठ्य पुस्तक– ***आधुनिक कवि : पन्त;*** *हिन्दी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग।*
पाठ्य कविताएं : निष्ठुर परिवर्तन, नौका बिहार।

व्याख्यान 12

इकाई 4 *महादेवी वर्मा*

पाठ्य पुस्तक – ***आधुनिक कवि : सुश्री महादेवी वर्मा।***
हिन्दी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग।
पाठ्य कविताएं – मधुर–मधुर मेरे दीपक जल
विरह का जलजात जीवन
क्या पूजन क्या अर्चन रे?

व्याख्यान 12

अंक विभाजन

पूर्णांक– 100
अभ्यन्तर– 20
बाह्य– 80

निर्देश :

1. *प्रत्येक इकाई से दो–दो व्याख्याएं पूछी जायेंगीं, जिनमें से एक–एक व्याख्या करनी होगी।*

8**X***4* **=** *32*

2. *प्रत्येक इकाई से दो–दो आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जायेंगे, जिनमें से एक–एक का उत्तर लिखना होगा।*

12 **X***4* **=** *48*

HINE-505 *(ख)*

कविता, कहानी, तथा अन्य विधाएं

इकाई : 1 ***कविता***

सूरदास– 5 पद; पाठ्य पुस्तक– ***सूरसागर सार; सम्पा.– डॉ. धीरेन्द्र वर्मा;*** *साहित्य भवन, इलाहाबाद; पाठ्यांश : विनय तथा भक्ति–1, 2; गोकुल लीला– 60 तथा उद्धव सन्देश– 95, 186।*
बिहारी– 15 दोहे। पाठ्य पुस्तक– बिहारी रत्नाकर; सम्पा.– जगन्नाथदास रत्नाकर
दोहा सं.– 18,31,45,46,48,51,78,123,192,217,251,300,321,327 तथा 390।
जयशंकर प्रसाद– अरुण यह मधुमय देश हमारा; हिमाद्रि तुंग श्रृंग से।
निराला– वह तोड़ती पत्थर; भिक्षुक।

इकाई : 2 ***कहानी***

प्रेमचन्द– नमक का दरोगा।
शिवानी– सती।
भीष्म साहनी– चीफ की दावत।

इकाई : 3 ***रेखाचित्र एवं संस्मरण***

महादेवी वर्मा– घीसा (रेखाचित्र)।
ममता कालिया– कितने शहरों में कितनी बार (दिल्ली विश्वविद्यालय से सम्बन्धित संस्मरण)।

इकाई : 4 ***निबन्ध तथा अन्य विधाएं***

हजारीप्रसाद द्विवेदी– अशोक के फूल (ललित निबन्ध)।
सच्चिदानन्द हीरानन्द वात्स्यायन 'अज्ञेय'– परशुराम से तुरखम तक (यात्रावृत्त)।
फणीश्वरनाथ 'रेणु'– विदापत नाच (रिपोर्ताज)।

अंक विभाजन

पूर्णांक– 100
अभ्यन्तर – 20
बाह्य– 80

निर्देश :

1. *प्रत्येक इकाई से दो–दो व्याख्याएं पूछी जायेगी, जिनमें से एक–एक व्याख्या करनी होगी।*

8x*4* = *32*

2. *प्रत्येक इकाई से दो–दो आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जायेंगे, जिनमें से एक–एक का उत्तर लिखना होगा।*

12 x*4* = *48*

HINE-505 *(ग)*

हिन्दी भाषा शिक्षण

इकाई : 1 *संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण, क्रिया, काल तथा अव्यय का परिचय। वाक्य और वाक्य के भेद।*

इकाई : 2 *सन्धि, समास, शब्द–शुद्धि तथा वाक्य–शुद्धि।*

इकाई : 3 *हिन्दी कहावतें और मुहावरे; हिन्दी की शब्द–सम्पदा– तत्सम, तद्भव तथा अन्य शब्द। संक्षेपण, पल्लवन तथा पत्र–लेखन।*

इकाई : 4 *भाषा–शिक्षण के विविध आयाम; मातृभाषा, द्वितीय भाषा तथा विदेशी भाषा। भाषा शिक्षण विधि– प्रत्यक्ष, वार्तालाप, अनुवाद, दृश्य–श्रव्य, सांचा अभ्यास विधि, प्रयोगशाला।*

पूर्णांक– 100
आभ्यन्तर– 20
बाह्य– 80

निर्देश :

1. *प्रत्येक इकाई से दो–दो प्रश्न पूछे जायेंगे, जिनमें से एक–एक का उत्तर लिखना होगा।* 15x4=60
2. *सभी इकाइयों से 4 टिप्पणियों का उत्तर लिखना होगा। टिप्पणी के लिये विकल्प भी होंगे।* 5x4=20

सहायक ग्रन्थ :

1. *हिन्दी भाषा की सामाजिक भूमिका– डॉ. भोलानाथ तिवारी; दक्षिण भारत हिन्दी प्रचार सभा, मद्रास।*
2. *राष्ट्र, भाषा और हिन्दी– डॉ. राजेन्द्र भटनागर; केन्द्रीय हिन्दी संस्थान, आगरा।*
3. *भाषा शिक्षण– डॉ. रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव; मैकमिलन, दिल्ली।*
4. *भाषा शिक्षण तथा भाषा विज्ञान– डॉ. ब्रजेश्वर शर्मा एवं एन. वी. राजगोपालन, केन्द्रीय हिन्दी संस्थान, आगरा।*
5. *हिन्दी भाषा शिक्षण– डॉ भोलानाथ तिवारी; लिपि प्रकाशन, दिल्ली।*

HINE-511

समकालीन हिन्दी काव्य

इकाई : 1 ***क.*** *नागार्जुन–* ***सिन्दूर तिलकित भाल; गुलाबी चूड़ियां; प्रेत का बयान।***
ख. *अज्ञेय–* ***असाध्यवीणा।***

इकाई : 2 ***क.*** *मुक्तिबोध–* ***अंधेरे में (पाठ्यांश–1, 4 तथा 8 का उत्तरार्द्ध)।***

ख. *धर्मवीर भारती–* ***अन्धा युग; पाठ्यांश– समापन (प्रभु की मृत्यु)***

इकाई : 3 ***क.*** *कुंअर नारायण–* ***नचिकता।***
ख. *रघुवीर सहाय–* ***स्वाधीन व्यक्ति।***
ग. *रामदरश मिश्र–* ***फिर हवा बहने लगी; कहां आ गया हूं मैं।*** *संग्रह– हिन्दी नवगीत : सर्जन और समीक्षा; सम्पा.– डॉ. भगवानशरण भारद्वाज; लोकवाणी संस्थान, दिल्ली।*
घ. *कुंअर बेचैन–* ***बेटियां; पछवा हवा चली;*** *संग्रह– हिन्दी नवगीत : सर्जन और समीक्षा।*

इकाई : 4 ***क.*** *वीरेन डंगवाल–* ***हमारा समाज; उजले दिन।*** *संग्रह– दुष्चक्र में स्रष्टा, राजकमल, दिल्ली।*
ख. *अरुण कमल–* ***केवल धार; हमारे युग का नायक।*** *संग्रह– प्रतिनिधि कविताएं, राजकमल, दिल्ली।*
ग. *आलोक धन्वा–* ***भागी हुई लड़कियां।***
घ. *राजेश जोशी–* ***बच्चे काम पर जा रहे हैं; संयुक्त परिवार।*** *संग्रह– प्रतिनिधि कविताएं; राजकमल।*

अंक विभाजन

पूर्णांक– 100
अभ्यन्तर – 20
बाह्य– 80

निर्देश :

1. *प्रत्येक इकाई से दो–दो व्याख्याएं पूछी जायेगी, जिनमें से एक–एक व्याख्या करनी होगी।*

8x*4* = *32*

2. *प्रत्येक इकाई से दो–दो आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जायेंगे, जिनमें से एक–एक का उत्तर लिखना होगा।*

12 x*4* = *48*

सहायक ग्रंथः-

1. *मुक्तिबोधः ज्ञान और संवेदना -नन्द किशोर नवल, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।*
2. *अज्ञेय की काव्य-तितीर्षा - नन्दकिशोर आचार्य, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।*
3. *अज्ञेय की कविताःमूल्यांकन - चन्द्रकांत बाण्डिवडेकर, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली*
4. *मुक्तिबोध की काव्य-प्रक्रिया - अशोक चक्रधर, भारतीय ग्रंथ निकेतन, दिल्ली।*
5. *कविता के नये प्रतिमान - नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।*
6. *समकालीन हिन्दी कविता - डॉ. विश्वनाथ प्रसाद तिवारी, वाणी प्रकाशन, दिल्ली*
7. *अज्ञेय और आधुनिक रचना की समस्या - रामस्वरूप चतुर्वेदी*
8. *सदी के अन्त में कविता - सं. डॉ. विजयकुमार, वाणी प्रकाशन, दिल्ली*
9. *समकालीन कविता का यथार्थ - डॉ. परमानन्द श्रीवास्तव, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली*
10. *नयी कविताः स्वरूप और संवेदना - डॉ. जगदीश गुप्त*
11. *नयी कविता और अस्तित्ववाद - रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली*
12. *शब्द और मनुष्य -परमानन्द श्रीवास्तव, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली*
13. *कवि कह गया है - अशोक वाजपेयी*
14. *समकालीन कविता के बारे में - नरेन्द्र मोहन, वाणी प्रकाशन, दिल्ली*
15. *रचना और आलोचना - देवीशंकर अवस्थी, वाणी प्रकाशन, दिल्ली*
16. *रघुवीर सहाय का कवि कर्म - सुरेश शर्मा, वाणी प्रकाशन, दिल्ली*
17. *कवियों की पृथ्वी - अरविंद त्रिपाठी*
18. *एक कवि की नोट बुक - राजेश जोशी; राजकमल प्रकाशन, दिल्ली*
19. *हिन्दी नवगीत का संक्षिप्त इतिहास - डॉ. अवधेशनारायण मिश्र, आर्यभाषा संस्थान, वाराणसी*
20. *कवियों की पृथ्वी - अरविन्द त्रिपाठी, आधार प्रकाशन, पंचकूला*
21. *समकालीन कविता के आयाम - पी. रवि, लोकभारती, इलाहाबाद*

HINC-512

हिन्दी उपन्यास एवं आत्मकथा

इकाई : 1 ***उपन्यास की सैद्धान्तिकी***

भारतीय आख्यान परम्परा और उपन्यास; मध्य वर्ग का उदय और उपन्यास; उपन्यासों के प्रकार एवं शैली। उपन्यास और राष्ट्र; हिन्दी उपन्यास और दलित चेतना; हिन्दी उपन्यास और नारी चेतना; हिन्दी उपन्यास और साम्प्रदायिकता।

इकाई : 2 ***हिन्दी उपन्यास***

गोदान– *प्रेमचन्द*

इकाई : 3 ***हिन्दी उपन्यास***

बाणभट्ट की आत्मकथा– *हजारीप्रसाद द्विवेदी*

इकाई : 4 ***हिन्दी आत्मकथा***

अन्या से अनन्या– *प्रभा खेतान।*

अंक विभाजन

पूर्णांक– 100

अभ्यन्तर – 20

बाह्य– 80

निर्देश

1 *प्रत्येक इकाई से दो–दो आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें से एक–एक का उत्तर लिखना होगा।* 14x4=56

2 *इकाई 2, 3, तथा 4 से दो–दो व्याख्याएं पूछी जायेगी जिनमें से एक–एक व्याख्या करनी होगी।* 8x3=24

सहायक ग्रंथः-

1. *हिन्दी उपन्यास* - *सं. नित्यानंद तिवारी*
2. *हिन्दी उपन्यास: एक अंतर्यात्रा* - *रामदरश मिश्र, राजकमल, दिल्ली।*
3. *उपन्यास का उदय* - *इयान वॉट*
4. *उपन्यास के पहलू* - *ई. एम. फोस्टर*
5. *उपन्यास और लोक जीवन* - *रॉल्फ फॉक्स*
6. *कथा विवेचना और गद्य शिल्प* - *रामविलास शर्मा*
7. *दूसरी परम्परा की खोज* - *नामवर सिंह, राजकमल, दिल्ली।*
8. *आधुनिकता और हिन्दी उपन्यास* - *इन्द्रनाथ*
9. *कलम का सिपाही* - *अमृत राय*
10. *हिन्दी उपन्यास का इतिहास* - *गोपाल राय, राजकमल, दिल्ली.*
11. *कलम का मजदूर* - *मदन गोपाल*
12. *प्रेमचन्द और उनका युग* - *रामविलास शर्मा*
13. *आत्मकथा की संस्कृति* - *पंकज चतुर्वेदी, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।*
14. *बाणभट्ट की आत्मकथाः पाठ और पुनर्पाठ* - *सं. मधुरेश, आधार प्रकाशन प्र.लि., पंचकूला।*

HINE-513(क)

अरुणाचली लोक साहित्य

इकाई 1. *लोकः अर्थ एवं अवधारणा, लोक साहित्यः स्वरूप एवं भेद, साहित्य एवं लोक साहित्य, लोक साहित्य एवं लोक संस्कृति, लोक साहित्य के विविध अंगो- लोकगीत, लोककथा, लोकगाथा, लोकनाट्य तथा लोक सुभाषित का परिचय, लोक साहित्य का महत्व तथा लोक साहित्य की सीमाएँ एवं सम्भावनाएँ।*

इकाई 2. *अरुणाचलः भौगोलिक स्थिति, ऐतिहासिक परिचय, अरुणाचल की जनजातियों का सामान्य परिचय, अरुणाचल की बोलियाँ एवं उनमें उपलब्ध लोक साहित्य का सामान्य परिचय एवं वर्गीकरण।*

इकाई 3. *अरुणाचली लोकगीतों के वर्गीकरण के विविध आधार, लोकगीतों के विविध प्रकारों का सोदाहरण परिचय एवं विश्लेषण, अरुणाचल की लोककथाओं के विविध रूप, अरुणाचली लोक कथाओं की विशेषताएँ।*

इकाई 4. *अरुणाचल के लोकनृत्य, अरुणाचली लोक-सुभाषित- मुहावरे, कहावतें, पहेलियाँ आदि। अरुणाचली लोक साहित्य के संग्रह की आवश्यकता एवं इस कार्य में आने वाली कठिनाइयाँ, अरुणाचल के लोक साहित्य का संग्रहः उपलब्धियाँ एवं सम्भावनाएँ।*

अंक विभाजन

पूर्णांकः 100

अभ्यंतरः 20

बाह्यः 80

निर्देशः-

1. *प्रत्येक इकाई से दो-दो आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें से एक-एक का उत्तर लिखना होगा।*

   15x4= 60 अंक

2. *पाँचवे प्रश्न के रूप में कुल आठ टिप्पणियां पूछी जाएँगीं, जिनमें से चार का उत्तर लिखना होगा।*

   5x4= 20 अंक

सहायक ग्रंथः-

1. *लोक साहित्य विज्ञान* - *सं. सत्येन्द्र, वाणी प्रकाशन, दिल्ली*
2. *लोक साहित्य की भूमिका* - *डॉ. कृष्णदेव उपाध्याय, हिन्दी प्रचारक संस्थान, वाराणसी।*
3. *लोक साहित्य विमर्श* - *डॉ. श्याम परमार, राजकमल प्रकाशन, वाराणसी*
4. *लोक साहित्य और संस्कृति* - *डॉ. दिनेश्वर प्रसाद, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।*
5. *हिन्दी साहित्य का वृहद इतिहास 16 वां भाग* - *नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी।*
6. *अरुणाचल के त्योहार* - *डॉ. धर्मराज सिंह*
7. *अरुणाचल की आदी जनजाति का समाजभाषिक अध्ययन-डॉ. धर्मराज सिंह*
8. *मनोरम भूमि अरुणाचल* - *माता प्रसाद*
9. *अरुणप्रभा पत्रिका* - *अरुणाचल विश्वविद्यालय के हिन्दी विभाग की शोध प्रवेशांक-2001 तथा संयुक्तांक 2002-2003 (अरुणाचल- विशेषांक)।*
10. *कस्टमरी लॉज ऑफ न्यीशी ट्राइबल ऑफ अरुणाचल प्रदेश* - *नाबम नाका हिना, आटर्स प्रेस, दिल्ली।*
11. *आदी लोक कथाएं* - *डॉ. ओकेन लेगो, यश पब्लिकेशन, दिल्ली।*
12. *न्यीशी लोक गीतः सांस्कृतिक* - *डॉ. जोरम आन्या जाना, गौतम बुक सेंटर, दिल्ली।*
13. *न्यीशी जनजाति का समाज भाषिक अध्ययन* -*डॉ. जोरम यालम, विजय भारती प्रकाशन, असम।*
14. *भाषा, संस्कृति और साहित्य* - *डॉ. हरीशकुमार शर्मा, अनंग प्रकाशन, दिल्ली।*
15. *फणीश्वरनाथ रेणु के उपन्यासों में लोक-संस्कृति* - *डॉ. हरीशकुमार शर्मा, जास्मिन पब्लिकेशन, दिल्ली।*

HINE- 513(ख)

तुलनात्मक भारतीय साहित्य

इकाई 1

तुलनात्मक अध्ययनः अर्थ एवं स्वरूप; तुलनात्मक अध्ययन का इतिहास; भारत में तुलनात्मक अध्ययन की परम्परा; हिन्दी में तुलनात्मक अध्ययन की परम्परा और उसका विकास।

इकाई 2

प्रेमचन्द के 'गोदान' एवं फकीर मोहन सेनापति के 'छह बीघा जमीन' उपन्यासों का तुलनात्मक अध्ययन।

अथवा

चन्द्रकान्ता के 'कथा सतीसर' एवं इन्दिरा गोस्वामी के 'छिन्नमस्ता' उपन्यासों का तुलनात्मक अध्ययन।

इकाई 3

मोहन राकेश के 'आषाढ़' का एक दिन' नाटक तथा गिरीश कर्नाड के 'तुगलक' नाटकों का तुलनात्मक अध्ययन।

इकाई 4

अरुणाचल के लोक साहित्य का हिन्दी लोक साहित्य के साथ तुलनात्मक अध्ययन : लोकगीत, लोककथा तथा लोक-सुभाषितों के विशेष सन्दर्भ में।

सहायक ग्रंथः

1. *तुलनात्मक साहित्य की भूमिका - इन्द्रनाथ चौधरी, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली।*
2. *तुलनात्मक साहित्य : भारतीय परिप्रेक्ष्य - इन्द्रनाथ चौधरी, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।*
3. *तुलनात्मक साहित्य - डॉ. नगेन्द्र, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली।*
4. *भारतीय साहित्यः स्थापनाएँ और प्रस्तावनाएँ - के. सच्चिदानन्दन, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।*
5. *भारतीय साहित्य के इतिहास की समस्याएँ - रामविलास शर्मा, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।*
6. *मराठी साहित्यः विविध परिदृश्य - चन्द्रकान्त वांदिवडेकर, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।*
7. *भारतीय साहित्य - डॉ. नगेन्द्र, प्रभात प्रकाशन, दिल्ली।*
8. *तुलनात्मक अध्ययनः स्वरूप और समस्याएँ - सं. डॉ. म. ह, राजूरकर, डॉ. राजमल बोरा, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।*
9. *भाषा और समाज - डॉ. रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।*

HINE-514 *(क)*

प्रयोजनमूलक हिन्दी

इकाई – 1 *राष्ट्रभाषा, राजभाषा तथा सम्पर्क भाषा के रूप में हिन्दी; हिन्दी के क्षेत्र– क, ख, ग।*

भारतीय संविधान में राजभाषा संबंधी प्रावधान
अनुच्छेद 343 से 351 तक
राष्टपति के आदेश सन् 1952, 1955 एवं 1960
राजभाषा अधिनियम–1963 यथा संशोधित–1967
राजभाषा नियम– 1976 यथा संशोधित 1987
राजभाषा के रूप में हिन्दी की भूमिका एवं चुनौतियां।

इकाई – 2

कार्यालयी हिन्दी के प्रमुख प्रकार्य

प्रारूपण
पत्रलेखन
टिप्पणी
परिपत्र
ज्ञापन
मसौदा
प्रतिवेदन
अनस्मारक
अधिसूचना
पृष्ठांकन

इकाई 3 ***अनुवाद****: अर्थ एवं अभिप्राय;* ***अनुवाद की पद्धतियां****–मानवकृत अनुवाद व मशीनी अनुवाद,;* ***अनुवाद के प्रकार****– अन्तःभाषिक अनुवाद, अन्तरभाषिक अनुवाद, अन्तर अनुशासनिक अनुवाद, साहित्यिक अनुवाद, जन–संचार सम्बन्धी सामग्री का अनुवाद, कार्यालयीन सामग्री का अनुवाद, अन्तर प्रतीकात्मक अनुवाद, अनुवाद एवं अनुवादक की कसौटी; अनुवाद की चुनौतियां; अनुवाद की भूमिका; अनुवाद एवं आशु अनुवाद में अन्तर; आशु अनुवाद के क्षेत्र।*

इकाई 4 ***कम्प्यूटर एवं मीडिया लेखन****: समाचार लेखन, रेडियो–लेखन, विज्ञापन–लेखन, फीचर–लेखन, पटकथा–लेखन। मीडिया और कम्प्यूटर।*

अंक विभाजन
पूर्णांक– 100
आभ्यन्तर– 20
बाह्य– 80

निर्देश :

1. *प्रत्येक इकाई से दो–दो प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें से एक–एक का उत्तर लिखना होगा।*

15x4=60

2. *सभी इकाइयों से 4 टिप्पणियों का उत्तर लिखना होगा। टिप्पणी के लिये विकल्प भी होंगे।*

5x4=20

सहायक ग्रंथः

1. *प्रयोजनमूलक हिन्दी* - *डॉ. दंगल झाल्टे, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।*
2. *प्रयोजनमूलक हिन्दी* - *डॉ. रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव, केन्द्रीय हिंदी संस्थान, आगरा*
3. *आधुनिक पत्रकारिता* - *अर्जुन तिवारी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी*
4. *अनुवाद विज्ञान* - *डॉ. भोलानाथ तिवारी, शब्दकार प्रकाशन*
5. *कार्यालयी अनुवाद की समस्याएं* - *भोलानाथ तिवारी, शब्दकार प्रकाशन*
6. *कार्यालयी अनुवाद की निर्देशिका* - *गोपीनाथ श्रीवास्तव, सामयिक प्रकाशन, दिल्ली*
7. *अनुवाद कला* - *डॉ. विश्वनाथ अय्यर, प्रभात प्रकाशन दिल्ली*
8. *अनुवादः सिद्धांत और प्रयोग* - *डॉ. कैलाशचन्द्र भाटिया, तक्षशिला प्रकाशन दिल्ली*
9. *हिन्दी भाषा* - *हरदेव बाहरी, अभिव्यक्ति प्रकाशन, इलाहाबाद*
10. *संवाददाता, सत्ता और महत्ता* - *हेरम्ब मिश्र, किताब महल, इलाहाबाद*
11. *सम्पादन के सिद्धांन्त* - *रामचन्द्र तिवारी, आलेख प्रकाशन, दिल्ली*
12. *प्रेस विधि* - *नन्दकिशोर त्रिखा, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी*
13. *हिन्दी साहित्य का इतिहास* - *सं. डॉ. नगेन्द्र*
14. *टेलीविजनः सिद्धान्त और टेकनीक* - *मथुरादत्त शर्मा*
15. *रेडियो लेखन* - *मधुकर गंगाधर*

HINE- 514 (ख)

अनुवाद विज्ञान

इकाई -1 अनुवादः अर्थ, स्वरूप और क्षेत्र; अनुवादक के गुण; अच्छे और बुरे अनुवाद में अन्तर; अनुवाद के सिद्धान्त; अनुवाद की इकाई : शब्द, पदबंध, वाक्य, पाठ। *व्याख्यान- 12*

इकाई- 2 अनुवाद के प्रकार, शाब्दिक अनुवाद, भावानुवाद, छायानुवाद, पूर्ण और आंशिक अनुवाद, आशु अनुवाद; अनुवाद की सीमाएँ।

व्याख्यान- 12

इकाई- 3 अनुवाद की समस्याएँः सृजनात्मक अथवा साहित्यिक अनुवाद की समस्याएँ, कार्यालयी अनुवाद की समस्याएँ, वैज्ञानिक एवं तकनीकी साहित्य के अनुवाद की समस्याएँ, विधि साहित्य के अनुवाद की समस्याएँ, कोश एवं पारिभाषिक शब्दार्थ के निर्माण की समस्याएँ, मीडिया क्षेत्र के अनुवाद की समस्याएँ, विज्ञापन के अनुवाद की समस्याएँ।

व्याख्यान- 12

इकाई- 4 अनुवाद के उपकरण- कोश, पारिभाषिक शब्दावली, थिसारस, कम्प्यूटर, मशीनी अनुवाद, अनुसृजन और अनुवाद। व्यावहारिक अनुवाद- प्रश्नपत्र में दिए गए अंग्रेजी / हिन्दी अवतरण का अनुवाद।

व्याख्यान-12

अंक विभाजन

पूर्णांक- 100

अभ्यन्तर- 20

बाह्य- 80

निर्देश

1. *प्रत्येक इकाई से दो-दो प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें से एक-एक का उत्तर लिखना होगा।*

15X4= 60 अंक

2. *प्रत्येक इकाई से दो-दो लघुत्तरीय प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें से एक-एक का उत्तर लिखना होगा।*

5X4= 20अंक

सहायक ग्रंथ

1. *अनुवादः सिद्धान्त एवं प्रयोग - डॉ. जी. गोपीनाथन, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।*
2. *अनुवाद सिद्धान्त की रूपरेखा - डॉ. सुरेश कुमार, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।*
3. *अनुवाद विज्ञानः - भोलानाथ तिवारी, शब्दकार प्रकाशन, दिल्ली।*
4. *अनुवाद कला - डॉ. एन.ई. विश्वनाथ अय्यर, प्रभात प्रकाशन, दिल्ली।*
5. *अनुवाद कालः सिद्धान्त और प्रयोग - डॉ. कैलाश चन्द्र भाटिया, तक्षशिला प्रकाशन, नई दिल्ली।*
6. *पत्रकारिता में अनुवाद की समस्याएँ - डॉ. भोलानाथ तिवारी, शब्दकार प्रकाशन, दिल्ली।*
7. *कार्यालयी अनुवाद की समस्या - डॉ. भोलानाथ तिवारी, शब्दकार प्रकाशन, दिल्ली।*
8. *अनुवाद सिद्धान्त एवं समस्याएँ - डॉ. रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव एवं डॉ. कृष्ण कुमार गोस्वामी, आलेख प्रकाशन, दिल्ली।*
9. *अनुवाद चिंतन के सैद्धांतिक आयाम - स. डॉ. गार्गी गुप्त एवं डॉ. ओम प्रकाश सिंहल, भारतीय अनुवाद परिषद, दिल्ली।*
10. *पश्चिम में अनुवाद कला के मूल स्रोत - डॉ. गार्गी गुप्त एवं डॉ. विश्वप्रकाश गुप्त, भारतीय अनुवाद परिषद दिल्ली।*
11. *अनुवाद विज्ञान भूमिका - कृष्ण कुमार गोस्वामी, राजकमल, दिल्ली।*
12. *अनुवाद चिन्तन - डॉ. शफ़ीकुन्निसा खान, डॉ. छविल कुमार मेहरे, अमन प्रकाशन, सागर।*

MHINE 514 (ग)

हिन्दी सिनेमा और साहित्य

इकाईः1 *हिन्दी सिनेमा का उद्‌भव और विकास; हिन्दी सिनेमा के विविध आयाम;; कला फिल्मों एवं व्यवसायिक फिल्मों में अन्तर;सिनेमा और साहित्य में अन्तर तथा पारस्परिक सम्बन्ध; हिन्दी सिनेमा के विकास में हिन्दी के साहित्यकारों का योगदान;हिन्दी सिनेमा और हिन्दी साहित्य के अन्तः सम्बन्धों की परम्परा; हिन्दी साहित्य और सिनेमा का पारस्परिक प्रभाव। साहित्य, सिनेमा और संस्कृति के पारस्परिक अन्त सम्बन्ध।*

इकाईः2 *निम्नलिखित में से किन्हीं दो साहित्यिक कृतियों पर बनी फिल्मों का समीक्षात्मक अध्ययन-*

1. *तीसरी कसम*
2. *देवदास*
3. *चित्रलेखा*
4. *पिंजर*
5. *गोदान*
6. *शतरंज के खिलाड़ी*
7. *रजनीगन्धा*
8. *सारा आकाश*

इकाईः3 *हिन्दी फिल्मों के गीत*

फिल्मी गीतों और साहित्यिक गीतों में अन्तर; हिन्दी के साहित्यिक गीतों का हिन्दी फिल्मों पर प्रभाव, फिल्मी गीत और हिन्दी-उर्दू के साहित्यकार। हिन्दी लोक गीतों का फिल्मी गीतों पर प्रभाव; फिल्मी गीतों का हिन्दी लोकगीतों पर प्रभाव। हिन्दी फिल्मी गीतों की लोकप्रयिता।

इकाईः4 *पटकथाः अर्थ एवं आयाम, कथा एवं पटकथा स्वरूप एवं लेखन, कला, कथा के पटकथा में रूपान्तरण की कला, फिल्मों की डबिंग, सिनेमा एवं साहित्य की भाषा में अन्तर।*

निर्देशः- 1. प्रत्येक इकाई से दो-दो प्रश्न पूछे जायेंगे, जिनमें से एक-एक का उत्तर लिखना होगा। *15x4= 60*

2. प्रत्येक इकाई से एक-एक टिप्पणी पूछी जायेगी। टिप्पणी हेतु विकल्प भी रहेंगे। *5x4= 20*

HINE-515 *(क)*

लघु शोध प्रबन्ध /अनुवाद /साहित्यिक निबन्ध लेखन

लघु शोध प्रबन्ध *सिर्फ वे ही छात्र–छात्रा लिख सकेंगे जिन्होंने एम. ए. प्रथम एवं द्वितीय सत्र में* ***60*** *प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त किये होंगे।*

55 *प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त करने वाले छात्र–छात्रा* ***अनुवाद*** *कार्य कर सकेंगे।*

55 *प्रतिशत से कम अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को* ***साहित्यिक निबन्ध–लेखन*** *की परीक्षा देनी होगी।*

साहित्यिक निबन्ध–लेखन के लिये विषयों का चुनाव निम्नलिखित क्षेत्रों से किया जायेगा–

इकाई– 1 *हिन्दी साहित्य की विभिन्न प्रवृत्तियां।*

व्याख्यान 12

इकाई– 2 *हिन्दी साहित्य के विशिष्ट रचनाकार एवं समीक्षक।*

व्याख्यान 12

इकाई 3 *हिन्दी साहित्य की महत्वपूर्ण कृतियां।*

व्याख्यान 12

इकाई 4 *प्रमुख साहित्यिक वाद एवं आन्दोलन*

व्याख्यान 12

अंक विभाजन

पूर्णांक– 100

आभ्यन्तर– 20

बाह्य– 80

निर्देश :

1. *लघु शोध प्रबन्ध तथा अनुवाद, संकलन, सम्पादन एवं संग्रह का मूल्यांकन कुल 100 अंकों में किया जायंगा। इसमें लघु शोध प्रबन्ध लेखन और अनुवाद, संकलन, सम्पादन एवं संग्रह का मूल्यांकन 80 अंकों में किया जायेगा जबकि 20 अंकों के लिये मौखिकी परीक्षा होगी।*
2. *साहित्यिक निबन्ध लेखन की परीक्षा 80 अंकों की होगी। इस हेतु विद्यार्थियों को परीक्षा प्रश्नपत्र में दिये गये विषयों में से किन्हीं दो विषयों पर विस्तृत निबन्ध लिखने होंगे। शेष 20 अंकों के लिये आन्तरिक परीक्षाएं होंगीं।*

HINE-515 *(ख)*

तुलसीदास

इकाई : 1 ***रामचरित मानस*** *– गीता प्रेस, गोरखपुर*
पाठ्य अंश : अयोध्या काण्ड दोहा संख्या 191 से 205 तक

व्याख्यान 12

इकाई– 2 ***रामचरित मानस*** *– गीता प्रेस, गोरखपुर*
पाठ्य अंश : उत्तर काण्ड दोहा संख्या 14 से 120 तक

व्याख्यान 12

इकाई 3 ***कवितावली*** *– गीता प्रेस, गोरखपुर*

बाल रूप की झांकी – 3 पद

बाल लीला – 4 पद

उत्तर काण्ड – प्रारंभ से 15 पद

व्याख्यान 12

इकाई 4 ***विनय पत्रिका***

पद संख्या – 95 से 115 तक

व्याख्यान 12

अंक विभाजन
पूर्णांक– 100
अभ्यन्तर – 20
बाह्य– 80

निर्देश :

1. *प्रत्येक इकाई से दो–दो व्याख्याएं पूछी जायेगी, जिनमें से एक–एक व्याख्या करनी होगी।*

8x*4* = *32*

2. *प्रत्येक इकाई से दो–दो आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जायेंगे, जिनमें से एक–एक का उत्तर लिखना होगा।*

12 x*4* = *48*

सहायक ग्रंथः-

1. *गोस्वामी तुलसीदास* - *आचार्य रामचन्द्र शुक्ल, नागरी प्रचारिणी सभा काशी।*
2. *मानस दर्शन* - *डॉ. श्रीकृष्णलाल, आनंद पुस्तक भवन, काशी।*
3. *तुलसी और उनका युग* - *डॉ. राजपति दीक्षित, ज्ञानमंडल, काशी।*
4. *रामकथा का विकास* - *कामिल बुल्के, हिन्दी परिषद्, प्रयाग।*
5. *लोकवादी तुलसीदास* - *डॉ. विश्वनाथ त्रिपाठी, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली।*
6. *तुलसी* - *सं. उदयभानु सिंह, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली।*
7. *तुलसी-साहित्य का आधुनिक संदर्भ* - *डॉ. हरीश कुमार शर्मा, साहित्य सहकार प्रकाशन, दिल्ली।*
8. *रामचरितमानस और आधुनिक जीवन की समस्याएँ* - *डॉ. भगवानशरण भारद्वाज, लोकवाणी संस्थान, दिल्ली।*

HINE-515 *(ग)*

जयशंकर प्रसाद

इकाई– 1 *काव्य*

कामायनी*– इड़ा सर्ग*

व्याख्यान 12

इकाई– 2 *नाटक*

स्कन्दगुप्त

व्याख्यान 12

इकाई 3 *उपन्यास*

कंकाल

व्याख्यान 12

इकाई 4 *निबन्ध*

काव्यकला तथा अन्य निबंध

व्याख्यान 12

अंक विभाजन

पूर्णांक– 100
अभ्यन्तर – 20
बाह्य– 80

निर्देश :

1. *प्रत्येक इकाई से दो–दो व्याख्याएं पूछी जायेंगीं, जिनमें से एक–एक व्याख्या करनी होगी।*

8x*4* = *32*

2. *प्रत्येक इकाई से दो–दो आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जायेंगे, जिनमें से एक–एक का उत्तर लिखना होगा।*

12 x*4* = *48*

सहायक ग्रन्थ :

1. *कामायनी एक पुनर्विचार* *–मुक्तिबोध, राजकमकल, दिल्ली।*
2. *प्रसाद का काव्य* *–प्रेमशंकर, राधाकृष्ण, दिल्ली।*
3. *छायावाद की प्रासंगिकता* *–रमेशचन्द्र शाह।*
4. *छायावाद का पतन* *–देवराज।*
5. *ज्यशंकर प्रसाद की प्रासंगिकता* *–प्रभाकर श्रोत्रिय, ज्ञानपीठ, दिल्ली।*